YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 11.10.2017

HINDUSTAN

फरीदाबाद LIVE युवा

वाईएमसीए विवि में तीन दिवसीय उद्यमशीलता पर छात्रों की कार्यशाला, युवाओं को लघु उद्योगों से संबंधित जानकारी दी

क्षमता के दम पर ही स्टार्टअप संभव: कुलसचिव

कार्यशाला

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं स्टार्टअप विशेषज्ञ संजय शर्मा ने कहा कि अगर चुनौतियां स्वीकार करने की क्षमता है तो फिर नौकरी के पाने के बजाए नौकरियां देने वाले बन सकते हैं। मानसिक रूप से मजबूत दो से अधिक युवा मिलकर किसी भी क्षेत्र में स्टार्टअप कर सकते हैं।

संजय शर्मा विश्वविद्यालय में उद्यमशीलता-मौजूदा परिदृश्य और स्टार्टअप विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिदृश्य में अतिसूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम शुरू करने के लिए अवसर और उत्पाद के बाजार को जानना बेहद जरूरी है।

साथ ही उत्पाद और तकनीक के चयन जैसे अहम विषयों पर जानकारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उद्यम को तकनीक आधारित करके ही बाजार की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। इसके लिए कौशल विकास और स्वरोजगार दो ऐसे क्षेत्र हैं जहां मौजूदा सरकार सबसे ज्यादा ध्यान दे रही है। सरकारी योजनओं की मदद ली जा सकती है।

दूसरे सत्र में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और शहर के उद्यमी नवीन सूद ने कहा कि कोई भी उद्यम शुरूआत से बड़ा नहीं होता। एक छोटी शुरूआत करनी पड़ती है। इसलिए जरूरी है कि उद्यम एवं उत्पाद की सही जानकारी के साथ बेहतर प्रबंधन किया जाए।

एक समय था जब नए उद्यम के लिए काफी जोखिम उठाने पड़ते थे, लेकिन आज सरकार की स्टार्टअप जैसी योजनाएं काफी मददगार है। सफल उद्यम के लिए लक्ष्य मुनाफा नहीं होकर उपभोक्ता की संतुष्टि होना चाहिए।

उद्योगपति राज भाटिया ने कहा कि लघु उद्योग के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने में युवा की सोच झलकती है और उद्यम का स्वरूप बताती है। उन्होंने लघु उद्योगों से संबंधित वैज्ञानिक और तकनीकी पहलुओं के बारे में भी जानकारी दी। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. तिलक राज ने कहा कि तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने वाले युवाओं के लिए उद्यमशील सोच का होना बेहद जरूरी है। तभी वह भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

रमेश चौधरी ने सरकारी एजेंसियों, बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाओं से ऋण वित्तीय सहयोग से संबंधित जानकारी छात्रों के साथ साझा करते हुए बताया कि बेहतर वित्त प्रबंधन के दम पर ही उद्यम को सफल किया जा सकता है। प्रो. संदीप ग्रोवर ने कहा कि पढ़ाई के बाद छात्रों के लिए करियर का चयन एक बड़ी चुनौती रहता है लेकिन यदि युवा उद्यमशील सोच को लेकर सही योजना से आगे बढ़े तो उन्हें रोजगार को लेकर चिंता नहीं होगी।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ.वासुदेव मल्होत्रा ने तीन दिवसीय उद्यमशीला जागरूकता शिविर की रूपरेखा की विस्तार से जानकारी दी। उद्यमशीलता का मौजूदा परिदृश्य, अवसर, उत्पाद व तकनीक चयन की प्रक्रिया, लघु उद्योग, स्टार्टअप और सरकारी योजनाएं, बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाओं से वित्तीय सहयोग प्राप्त करने को लेकर जागरूक व्याख्यान शामिल हैं।

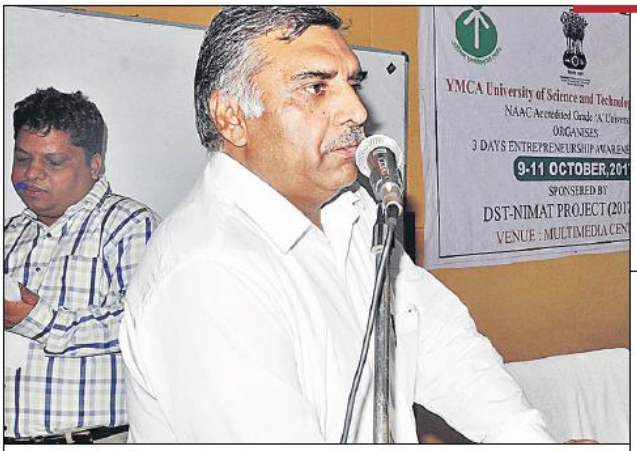

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की ओर से आयोजित तीन दिवसीय उद्यमशीलता जागरूकता शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को विद्यार्थियों को प्रो. तिलक राज ने संबोधित किया। • हिन्दुस्तान

स्टार्टअप योजना के तथ्य

- केंद्र सरकार की स्टार्टअप योजना वित्तीय अड़चनों को दूर करने में मदद करती है
- जो उत्पाद चुना है उसके बाजार के बारे में कौशल विकास प्रशिक्षण की सुविधा
- शुरुआत में आर्थिक मदद के साथ विभिन्न करों में छूट का प्रावधान है
- उत्पाद के मद्देनजर कारोबार के विस्तार के लिए अनुभवी टीम बनाने में मदद
- योजना के तहत बैंक अनुसूचित जाति, जनजाति और महिला उद्यमियों को विशेष सुविधा
- पहले तीन साल तक कोई भी अधिकारी आपके स्टार्टअप से जुड़ा किसी भी प्रकार का निरीक्षण नहीं करेगा
- तीन साल तक आपको करो में छूट का लाभ मिलेगा

योजना के लिए क्या करें

• सूक्ष्म स्तर पर स्टार्टअप के लिए दो से चार युवा एक साथ मिले • चारो कार्य में ईमानदारी और पारदर्शिता बरतें • उत्पाद का चयन बाजार की मांग के अनुरूप करें • अपने उत्पाद के लिए बाजार बनाएं • शुरुआत में चारो बराबर-बराबर छोटी पूंजी निवेश करें • बाजार के जोखिम के लिए कारोबार का विस्तार करते जाए • अनुभवी कर्मचारियों की टीम का चयन करें • विस्तार के लिए योजनाओं का लाभ उठा सकते है • इन चुनौतियों से होगा निपटना • अनुभव नहीं होना • मजबूत टीम बनाना • आर्थिक और कानूनी • मुश्किल • पूंजी प्रबंधन करना • उत्पाद के लिए बाजार बनाना • उपभोक्ता का विश्वास जीतना

सफल उद्यमियों ने अपने अनुभव बांटे। उससे बहुत कुछ सीखने को मिला, लेकिन मौजूदा समय में स्टार्ट-अप के लिए जो चुनौतियां हैं। उनसे निपटने के लिए विशेषज्ञों ने बेहतर बताएं।

-प्रणव छात्र, छात्र

अपना उद्यम करना तो हमेशा ही बेहतर होता है, लेकिन मेरी प्राथमिकता नौकरी है। कार्यशाला में उद्यम के प्रति प्रोहत्साहित किया गया। इसलिए इसके प्रति भी गंभीरता से विचार कर रही हूं।

-पल्लवी, छात्रा

छोटे स्तर पर ही सही लेकिन अपना उद्यम शुरू कर सकते हैं। कार्यशाला में स्टार्टअप की चुनौतियों से सामना करने के उपाय पसंद आए हैं। एक अधिक मिलकर उद्यम शुरू कर सकते हैं।

-सागर, छात्र, मैकेनिकल इंजीनियरिंग

नौकरी लेने के बजाए नौकरी देने वाले बन सकते हैं। मैं अपना उद्यम शुरू करुंगी। सरकार ने ढेर सारी योजनाएं स्टार्टअप के लिए शुरू की है। उनके मदद से हम कई साथी मिलकर शुरू करेंगे।

-तरुणा, छात्रा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 11.10.2017

DAINIK BHASKAR

शिविर में विद्यार्थियों को लघु उद्योग शुरू करने के बारे में दी गई जानकारी

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित तीन दिवसीय उद्यमशीलता जागरूकता शिविर के दूसरे दिन विद्यार्थियों को लघु उद्योग शुरू करने संबंधित औपचारिकताओं व नियमों की जानकारी दी गई। दूसरे दिन विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. तिलक राज ने लघु उद्योग से संबंधित तकनीकी और वाणिज्यिक पहलुओं के बारे में बताया।

सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों को औद्योगिक विकास की रीढ़ बताते हुए उन्होंने उद्योगों में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के बारे में बताया। शिविर का आयोजन सह-प्राध्यापक डॉ. वासुदेव मल्होत्रा की देखरेख में किया गया है। बोनी इंडस्ट्री के प्रबंध निदेशक व वाईएमसीए के पूर्व छात्र राज भाटिया दूसरे दिन के मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने लघु उद्योग के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करने से संबंधित महत्वपूर्ण टिप्स विद्यार्थियों को दिए। लघु उद्योगों से संबंधित वैज्ञानिक व तकनीकी पहलुओं के बारे में भी बताया।

इंडस्ट्रियल सिस्टम फरीदाबाद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामेश चौधरी ने सरकारी एजेंसियों, बैंक व अन्य वित्तीय संस्थाओं से ऋण एवं वित्तीय सहयोग से संबंधित जानकारी विद्यार्थियों को दी। इस दौरान सर्वोदय अस्पताल के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इसमें विद्यार्थियों व कर्मचारियों की नेत्र जांच एवं अन्य शारीरिक जांच एवं परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार व कुलसचिव डॉ. एसके शर्मा ने शिविर का निरीक्षण किया।

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 11.10.2017

PIONEER

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, के स्वास्थ्य केंद्र की ओर से स्थानीय सर्वोदय अस्पताल के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान छात्रों व कर्मचारियों को नि:शुल्क नेत्र जांच एवं अन्य शारीरिक जांच एवं परामर्श सेवाएं प्रदान की गई। इस दौरान डॉक्टरों ने सभी को स्वस्थ रहने के टिप्स दिए। शिविर का आयोजन विवि के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकुर गुप्ता की देखरेख में किया गया। इस दौरान कुलपति प्रो. दिनेश कुमार तथा कुलसचिव डॉ. एस के शर्मा ने शिविर का निरीक्षण किया।

सूक्ष्म और लघु उद्योग होते हैं औद्योगिक विकास की रीढ़

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि की ओर से आयोजित तीन दिवसीय उद्यमशीलता जागरूकता शिविर के दूसरे दिन छात्रों को लघु उद्योग शुरू करने से संबंधित सरकारी औचारिकताओं और नियमों की जानकारी दी गई। शिविर का आयोजन सह-प्राध्यापक डॉ. वासुदेव मल्होत्रा की देखरेख में हो रहा है।

शिविर में दूसरे दिन प्रो. तिलक राज ने लघु उद्योग से संबंधित तकनीकी और वाणिज्यिक पहलुओं के बारे में बताया। सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों को औद्योगिक विकास की रीढ़ बताते हुए उन्होंने कहा कि लघु उद्योगों में आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया। किस प्रकार से इन चुनौतियां का सामना किया जा सकता है। बोनी इंडस्ट्री के प्रबंध निदेशक व वाईएमसीए के पूर्व छात्र राज भाटिया दूसरे दिन के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने लघु उद्योग के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करने से संबंधित महत्वपूर्ण टिप्स छात्रों को दिए। इंडस्ट्रियल सिस्टम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामेश चौधरी ने भी अपने विचार रखे।

NEWS CLIPPING: 11.10.2017

AMAR ULALA

लघु उद्योग में आने वाले चुनौतियां बताईं

फरीदाबाद। वाईएमसीए विश्वविद्यालय में उद्यमशीलता जागरूकता शिविर के दूसरे दिन विद्यार्थियों को लघु उद्योग शुरू करने से संबंधित सरकारी औपचारिकता और नियमों की जानकारी दी गई। व्याख्यान में प्रोफेसर तिलक राज ने लघु उद्योग से संबंधित तकनीकी और वाणिज्यिक पहलुओं के बारे में बताया। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को औद्योगिक विकास की रीढ़ बताया। उन्होंने लघु उद्योगों में आने वाली चुनौतियों के बारे में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।मुख्य वक्ता बोनी इंडस्ट्री के प्रबंध निदेशक राज भाटिया ने लघु उद्योग के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार के टिप्स दिए। लघु उद्योगों से संबंधित वैज्ञानिक तथा तकनीकी पहलुओं के बारे में बताया गया। इंडस्ट्रियल सिस्टम फरीदाबाद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रमेश चौधरी ने सरकारी एजेंसी, बैंक, वित्तीय संस्थाओं से ऋण, वित्तीय सहयोग से संबंधित जानकारी विद्यार्थियों को बताई। इस दौरान विद्यार्थियों ने उद्यमियो से सवाल जवाब किए। शिविर सह-प्राध्यापक डॉ. वासुदेव मल्होत्रा की देखरेख में आयोजित हो रहा है। ब्यूरो

वाईएमसीए ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

फरीदाबाद। वाईएमसीए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र व सर्वोदय अस्पताल के सहयोग से विश्वविद्यालय में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों ने नेत्र जांच, शारीरिक जांच एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकुर गुप्ता की देखरेख में किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार व कुलसचिव डॉ. एस के शर्मा ने शिविर का निरीक्षण किया और शिविर को विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए लाभकारी बताया। ब्यूरो

NEWS CLIPPING: 11.10.2017

PUNJAB KESARI

छात्रों ने सीखीं उद्यम की औपचारिकताएं

फरीदाबाद, 10 अक्तूबर (सूरजमल): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की ओर से आयोजित तीन दिवसीय उद्यमशीलता जागरूकता शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को विद्यार्थियों को लघु उद्योग शुरू करने से संबंधित सरकारी औचारिकताओं और नियमों की जानकारी दी गई।

आयोजन सह-प्राध्यापक डॉ. वासुदेव मल्होत्रा की देखरेख में किया जा रहा है। दूसरे दिन आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो. तिलक राज ने लघु उद्योग से संबंधित तकनीकी और वाणिज्यिक पहलुओं के बारे में बताया। सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों को औद्योगिक विकास की रीढ़ बताते हुए उन्होंने कहा कि लघु उद्योगों में आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया गया। उनको यह भी सिखाया कि किस प्रकार से इन चुनौतियां का सामना किया जा सकता है। बोनी इंडस्ट्री के प्रबंध निदेशक तथा वाईएमसीए के पूर्व छात्र राज भाटिया दूसरे दिन के मुख्य वक्ता रहे तथा उन्होंने लघु उद्योग के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करने से संबंधित महत्वपूर्ण टिप्स विद्यार्थियों को दिए। उन्होंने बताया कि लघु उद्योगों से संबंधित वैज्ञानिक तथा तकनीकी पहलुओं के बारे में भी बताया। इंडस्ट्रियल सिस्टम फरीदाबाद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामेश चौधरी ने सरकारी एजेंसियों, बैंक तथा अन्य वित्तीय संस्थाओं से ऋण तथा वित्तीय सहयोग की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बेहतर वित्त प्रबंधन से उद्यम को सफल बनाया जा सकता है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 11 October 2017
epaper.punjabkesari.in//c/22829231

NEWS CLIPPING: 11.10.2017

NAVBHARAT TIMES

खास खबरें

छात्रों को दी जानकारी

नस, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रहे उद्यमशीलता जागरूकता शिविर के दूसरे दिन छात्रों को लघु उद्योग शुरू करने से संबंधित सरकारी नियमों की जानकारी दी गई। दूसरे दिन प्रो. तिलक राज ने लघु उद्योग से संबंधित तकनीकी और वाणिज्यिक पहलुओं के बारे में बताया। बोनी इंडस्ट्री के प्रबंध निदेशक तथा वाईएमसीए के पूर्व छात्र राज भाटिया दूसरे दिन के मुख्य वक्ता रहे।

खास खबरें

जांच शिविर

नस, फरीदाबाद : वाईएमसीए के स्वास्थ्य केंद्र में सर्वोदय अस्पताल के सहयोग से मंगलवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्रों की मेडिकल जांच कर परामर्श दिया गया। विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकुर गुप्ता, कुलपति प्रो. दिनेश कुमार शिविर में मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING: 11.10.2017

DAINIK JAGRAN

लघु उद्योगों से संबंधित तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी

फरीदाबाद: वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय उद्यमशीलता जागरूकता शिविर के दूसरे दिन विद्यार्थियों को लघु उद्योग शुरू करने से संबंधित सरकारी औचारिकताओं और नियमों की जानकारी दी गई। शिविर का आयोजन सह-प्राध्यापक डॉ.वासुदेव मल्होत्रा की देखरेख में किया जा रहा है। दूसरे दिन आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रो.तिलक राज ने लघु उद्योग से संबंधित तकनीकी और वाणिज्यिक पहलुओं के बारे में बताया। लघु उद्योगों में आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया तथा उन चुनौतियों से निपटने के तरीकों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की गई। वाईएमसीए के पूर्व छात्र राज भाटिया दूसरे दिन के मुख्य वक्ता रहे तथा उन्होंने लघु उद्योग के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करने से संबंधित महत्वपूर्ण टिप्स विद्यार्थियों को दिये। इंडस्ट्रियल सिस्टम फरीदाबाद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रमेश चौधरी ने सरकारी एजेंसियों, बैंक तथा अन्य वित्तीय संस्थाओं से ऋण तथा वित्तीय सहयोग से संबंधित जानकारी विद्यार्थियों के साथ साझा की।